भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +967

सोमवार, 8 फरवरी, 2021/19 माघ, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक हेतु पर्यटन विकास परियोजनाएं

+967. श्री वाई. देवेन्द्रप्पा:

डॉ. उमेश जी. जाधव:

श्री भगवंत खुबा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान आज की तारीख तक कर्नाटक और उत्तरी कर्नाटक हेतु स्वीकृत पर्यटन विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है तथा उक्त प्रत्येक परियोजना हेतु जिले-वार कितनी निधि स्वीकृत और जारी की गई है;

(ख) राज्य सरकारों से पर्यटन विकास हेतु प्राप्त प्रस्तावों की संख्या और ब्यौरा क्या है तथा प्रत्येक परियोजना की स्थिति क्या है तथा उक्त प्रस्तावों की स्वीकृति में विलंब यदि कोई है, के क्या कारण हैं; और

(ग) राज्यों के लंबित प्रस्तावों को मंजूरी कब तक प्रदान किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन तथा तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन तथा पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त आदि पर इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है।

इन योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है हालांकि स्वदेश दर्शन योजना के तहत नई परियोजनाओं की स्वीकृति वर्तमान में समीक्षाधीन है। कर्नाटक राज्य को किसी परियोजना की स्वीकृति नहीं दी गई है। तथापि इस मंत्रालय की प्रशाद योजना के अंतर्गत विकास हेतु अभिज्ञात स्थलों में "चामुंडेश्वरी देवी" (मैसुरू जिला, कर्नाटक) शामिल है।

*****